FOR MLIS STUDENTS

Course : - Masters of Library and Information Science

(MLIS)

Paper : - I

Prepared By: - Aftab Ahmad, Assistant Librarian, Faculty Library Science
School of Library and Information Sciences, Nalanda Open University

Topic: - INFORMATION AND SOCIETY

Scanned with CamScanner

सूचना एवं समाज
(Information and Society)

पाठ-संरचना (Lesson Structure)

12.0 उद्देश्य (Objectives)

12.1 परिचय (Introduction)

12.2 सूचना समाज की उत्पत्ति एवं परिभाषायें
(Genesis and Defenitions of Information Society)

12.3 सूचना समाज के विकास के कारण
(Reasons of the Development of Information Society)

12.4 सूचना समाज की विशेषताएं
(Characteristics of Information Society)

12.5 सूचना समाज की वृद्धि (Growth in Information Society)

12.6 सूचना समाज के घटक (Components of Information Society)

12.7 समाज में सूचना का प्रयोग (Use of Information in Society)

12.8 दैनिक जीवन में सूचना के प्रयोग
(Use of Information in daily Life)

12.9 सारांश (Summary)

12.0 उद्देश्य (Objective)

प्रस्तुत पाठ में सूचना आधारित सूचना सामाज से संबन्धित जानकारीयाँ प्रदान की जायेंगी। इसमें

Scanned with CamScanner

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सूचना समाज के विकास के विभिन्न कारणों को स्पष्ट किया जायेगा। पाठ में हम सूचना समाज की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डालेंगे। साथ ही समाज के विभिन्न क्षेत्रों की आवश्यकताओं को देखते हुये सूचना समाज की वृद्धि को समझने का प्रयास करेंगे। सूचना समाज के विभिन्न मौलिक घटकों पर चर्चा करेंगे। समाज में सूचना के प्रयोग पर प्रकाश डालते हुये दैनिक जीवन में सूचना के प्रयोग को स्पष्ट करेंगे।

12.1 परिचय (Introduction)

सूचना समाज शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है 'सूचना' तथा 'समाज'। सूचना किसी समाज के निश्चित लक्षणों को प्रदर्शित करता है। समाज के व्यवहार के परिवर्तन में सूचना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसा समाज प्राथमिक स्तर के समाज से अत्यन्त भिन्न होता है, जहाँ लोग सूचना को अधिकता से खोजने के प्रति अत्यधिक जागरुक होते हैं। सूचना तकनीकी की विचारधारा के उद्‌भव के परिणाम स्वरुप सामाजिक परिवर्तन में सूचना का योगदान और भी अधिक बढ गया है। दूसरी तरफ, समाज मानव रिश्तेदारी–नातेदारी के समूह को प्रदर्शित करता है। दोनों अवधारणाओं के सम्मिलित स्वरूपों को सूचना और समाज के नाम से जाना जाता है, जहाँ सूचना और उससे जुडे हुए तथ्य समाज के स्वरूप को अत्यधिक महत्वपूर्ण बना देते हैं।

12.2 सूचना समाज की उत्पत्ति एवं परिभाषायें (Genesis and Defenitions of Information Society)

सूचना समाज की उत्पत्ति पर प्रकाश डालते हुए **मसूदा** ने यह विचार प्रतिपादित किया है कि सूचना आधारित समाज के विकास के लिए सूचना के महत्व को बनाये रखना अत्यन्त आवश्यक होता है।

निक मूर ने अपनी पुस्तक 'The Information Society' में सूचना समाज की उत्पत्ति एव उसके विकास के कारणों को दो अन्तर्सम्बन्धों के रूप में प्रस्तुत किया है–

- दीर्घकालीन आर्थिक विकास।
- तकनीकी परिवर्तन।

अर्थात् सूचना समाज का तात्पर्य ऐसी सूचना से है, जो सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक चालक के रुप में सूचना प्रदान करती है। परम्परागत उद्योगों जैसे खनन एव धातुकर्म आदि के कम प्रचलित होने के परिणामस्वरूप मानव बौद्धिकता के आधार पर विकसित विभिन्न अभौतिक उत्पादों के उत्पादन की ओर केन्द्रित होता जा रहा है, ये सूचना केन्द्रित उत्पाद मुख्यतः सूचना आधारित अर्थव्यवस्था को बढावा देते हैं।

सूचना समाज शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 1960 के दशक में जापान में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र मे प्रारम्भ हुआ था। जिसका जापानी संस्करण में अर्थ होता है, **जोहो सकाई** या **जोहोका सकाई**। इस शब्द का विस्तार 1961 ई0 में जापान से हुआ तथा लेखन के क्षेत्र में इस शीर्षक का अध्ययन 1964 ई0 से प्रारम्भ हुआ।

Scanned with CamScanner

सूचना आधारित समाज को परिभाषित करना विद्वानों के बीच हमेशा से प्रतिस्पर्धा की तरह रहा है। मतैक्य के अभाव में किसी एक को प्रभुता देना उचित नही है। अत: विद्वानों द्वारा पारिभाषित कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्नलिखित है–

डेनियल बेल क अनुसार "सूचना समाज एक ऐसा समाज है, जो स्वय को ज्ञान के द्वारा सामाजिक नियंत्रण तथा नवीनता एवं परिवर्तन के प्रबन्धन हेतु व्यवस्थित करता है।"

दूसरी तरफ, **योनेजी मसूदा** के अनुसार "सूचना समाज एक नये प्रकार के समाज को प्रदर्शित करता है, जहाँ सूचना का संग्रह मूलत: सामग्री संग्रह के स्थान पर परिवर्तन एव विकास के चालक तत्व के रूप मे प्रभावी होता है तथा जहाँ बौद्धिक रचनात्मकता का विकास परिलक्षित होता है।"

जॉन नैसबिट के अनुसार "सूचना समाज एक आर्थिक वास्तविकता है, यह एक सामान्य मानसिक अमूर्तता नही है। सूचना के विस्तारण की धीमी गति के परिणाम स्वरूप नयी गतिविधि, सचालन और उत्पाद धीरे–धीरे प्रकाश में आते हैं।"

बेला मूरान्यी ने यह स्पष्ट किया कि "सूचना समाज एक नये प्रकार के समाज का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें मानवता जीवन के नये रास्तों की चुनौती को स्वीकार करती है, रहन–सहन का उच्च स्तर होता है, अच्छे कार्यों को सम्पादित किया जाता है और समाज मे बेहतर भूमिका अदा की जाती है। इन सब के लिए सार्वभौमिक रुप से सूचना एव दूरसचार तकनीकी का प्रयोग उत्तरदायी है तथा यह धन्यवाद का पात्र है।"

12.3 सूचना समाज के विकास के कारण (Reasons of the Development of Information Society)

वर्तमान परिदृश्य मे सूचना आधारित सूचना समाज के विकास के प्रमुख कारण निम्नलिखित है

- सूचना तथा संचार तकनीकी का विकास, जिसके कारण समाज आसानी से सूचना से जुड़ सका।
- कम्प्यूटर के प्रयोग का विकेन्द्रिकरण जिसमें सस्थानो तथा साइबर कैफे का एकाधिपत्य समाप्त हो गया।
- सूचना तथा संचार माध्यमो की एक साथ उपलब्धता।
- सूचना उद्योगो का विकास।
- औद्योगिक अर्थव्यवस्था का सूचना अर्थव्यवस्था मे परिवर्तन।
- परिपक्व इलेक्ट्रानिक बुनियादी ढाचे के आधार पर उपलब्ध बेहतर सेवाए।
- दूरसचार बुनियादी ढाचे पर आधारित सूचना सेवाओ का विकास।
- सूचना प्रौद्योगिकी का जनजीवन के प्रत्येक क्षेत्र मे सर्वोत्तम उपयोग।

Scanned with CamScanner

12.4 सूचना समाज की विशेषताएं (Characteristics of Information Society)

सूचना समाज एक विकसित समाज है, जो पूर्णतः या अधिकतम रूप में सूचना पर आधारित होता है। अतः इस विशिष्ट आधार पर सूचना समाज की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं–

- सामाजिक गुज़र–बसर में सूचना तथा दूरसंचार तकनीकी एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है।
- सूचना व्यवसाय तथा सूचना आधारित नौकरियों का प्रभुत्व।
- सूचना समाज भौतिक दूरियों को कम कर देता है।
- सूचना समाज नेटवर्क के माध्यम से एक आभासी (वर्चुअल) संसार से जुडाव होता है।
- सूचना समाज में हमारा समाज जीवनशैली तथा सस्कृति के दृष्टिकोण से डिजिटल माध्यमों से अधिक प्रभावित होता है।
- सूचना समाज मे सूचना को एक आर्थिक स्रोत के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- ऐसे समाज में किसी संगठन की प्रतिस्पर्धा और कार्य दक्षता में वृद्धि के लिए सूचना का अधिकतम प्रयोग होता है।
- नागरिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए सूचना का प्रयोग होता है।

12.5 सूचना समाज की वृद्धि (Growth in Information Society)

किसी भी समाज के विकास के लिए उसमें सकारात्मक परिवर्तन आवश्यक हैं। एक सूचना समाज की उत्पत्ति के इतिहास को समझने हम विभिन्न समाजों को मुख्यतः तीन प्रमुख भागों में विभाजित कर सकते हैं।

1. कृषि प्रधान समाज
2. औद्योगिक समाज
3. सूचना समाज

टॉफलर ने अपनी पुस्तक 'The third Web' में समाज को तीन भागों में विभाजित किया है। उसने वेव के विचार की तुलना समाज के प्रत्येक खण्ड से की है तथा उसके अनुसार प्रत्येक दूसरा समाज पहले समाज की स्थिति तथा संस्कृति को पीछे छोड़ता रहता है। टॉफलर ने समाज के तीनों वेव को निम्नलिखित प्रकार से प्रस्तुत किया है–

प्रथम वेव

प्रथम वेव समाज की उस स्थिति से जुडा हुआ है जो कृषि आधारित क्रान्ति के पश्चात् उत्पन्न हुई, तथा इस समाज ने अपने पिछले समाज को पीछे छोड़ दिया। जैसे– संग्रहकर्ता संस्कृति।

Scanned with CamScanner

द्वितीय वेव

यह समाज एक औद्योगिक समाज है जो कि सामूहिक उत्पादन, सामूहिक वितरण, सामूहिक उपयोग, सामूहिक शिक्षा, सामूहिक माध्यम, सामूहिक पुनर्निर्माण, सामूहिक मनोरंजन और सामूहिक विध्वंस के हथियार पर आधारित होता है। यह समाज द्वितीय वेव के नाम से जाना जाता है।

तृतीय वेव

तृतीय वेव पाश्चात्य औद्योगिक समाज होता है। 1950 के दशक के दौरान द्वितीय वेव आधारित देश तृतीय वेव की तरफ परिवर्तित होने लगे थे। उस समय को परिभाषित करने के लिए एक नये शब्द का उद्भव हुआ जो कि सूचना युग के नाम से जाना गया। यह सूचना समाज के विकास का उत्कर्ष काल था। इस तरह का परिवर्तन अचानक नही हुआ था, बल्कि यह लम्बे समय से चल रहे उत्पाद–मूल्यांकन प्रक्रिया के पश्चात् प्रभाव मे आया। सूचना समाज की प्रक्रिया को मुख्यतः तीन आधारों पर देखा गया है– ऐतिहासिक, आर्थिक और राजनैतिक।

12.6 सूचना समाज के घटक (Components of Information Society)

शेमेन्ट और कर्टीस ने अपनी पुस्तक 'Tendencies and tensions of the Information age: The production and distribution of information in United States' में सूचना समाज के विभिन्न प्रमुख घटकों की विवेचना की है, जो निम्नलिखित है–

1. सूचना उत्पाद

यह सूचना समाज का प्रमुख भाग है जो उत्पाद के बाजार एवं उसकी वाणिज्य प्रक्रिया से जुड़ा होता है। यह किसी भी समाज के लिए महत्वपूर्ण भाग होता है।

2. सूचना उद्योग

उद्योगों का निर्माण बड़े स्तर पर सूचना एवं उसके उत्पाद के निर्माण, उत्पादन, वितरण तथा उपभोग के अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के द्वारा होता है, जहाँ सूचना विशेषज्ञ आर्थिक जाँच करते हैं। सूचना उद्योग के द्वारा सूचना का अधिकतम उपयोग होता है।

3. सूचना कार्य

सूचना कार्य से तात्पर्य व्यवसायिक एवं नौकरी–पेशे वाले पेशेवरों के द्वारा सूचना की देखभाल का किया जाना है। इन लोगों के द्वारा सूचना का निश्चित एवं उचित प्रयोग किया जाता है।

4. सूचना के आन्तरिक जुड़ाव

सूचना समाज की महत्ता के कारण समाज की सामाजिक जटिलता और श्रम वितरण मे वृद्धि तकनीकी के प्रयोग के कारण दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

5. विभिन्न माध्यमों का सामान्तर प्रयोग

समाज मे विभिन्न मुद्दों पर स्वतन्त्र बहस हेतु विभिन्न मीडिया माध्यमों का प्रयोग इस० अन्तर्गत किया जाता है।

Scanned with CamScanner

6. **तकनीकी तथा सामाजिक प्रगति**

विभिन्न पारम्परिक आर्थिक, वैज्ञानिक तथा राजनैतिक वर्गों के सन्दर्भ में नये विकसित समुदाय को सुदृण करना है।

12.7 समाज में सूचना का प्रयोग (Use of Information in Society)

सूचना की समाज में अत्यधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज के समाज में सूचना के मुक्त प्रवाह के अभाव में जन सामान्य का जीवनयापन करना असम्भव है। सूचना के महत्व को निम्न प्रकार से विभाजित किया जा सकता है–

1. घर के काम तथा व्यक्तियों के मनोरंजक पहलुओं पर सूचना का व्यापक प्रभाव।
2. समाज का नये वर्गों मे स्तरीकरण, एक वह जो सूचना समृद्ध है तथा दूसरा वह जो सूचना गरीब है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, ***एल्वीन टॉफलर*** ने अपनी पुस्तक 'Future Shock' में सूचना के अत्यन्त महत्वपूर्ण पहलुओं का उल्लेख किया है, जिसमें उसने मुक्त सूचना के प्रवाह से समाज पर कैसा प्रभाव पड़ता है, स्पष्ट किया है। अपनी एक अन्य दूसरी पुस्तक 'The third Web' में ***टॉफलर*** ने यह विचार प्रस्तुत किया है कि कृषि और औद्योगिक क्रान्ति के पश्चात सूचना क्रान्ति ने उसका स्थान ले लिया है। उसने स्पष्ट किया कि सूचना ने समाज के प्रत्येक पहलु को निम्न प्रकार से प्रभावित किया है–

सरकार

सरकार वर्तमान समय में सूचना की सबसे बड़ी उत्पादक एवं उपभोक्ता है। सरकार की सभी गतिविधियों सूचना के साथ ही शुरु होती हैं तथा नवीन सूचना के निर्माण के साथ ही समाप्त होती हैं। आधुनिक समय में सरकार राष्ट्रीय योजना से सम्बद्ध डेटा की एक बड़ी मात्रा का उत्पादन करती है, साथ ही वैकल्पिक रणनीति तथा विकास के मॉडल के लिए डेटा की बड़ी मात्रा संग्रहित करती है, जैसे निकनेट।

कृषि के क्षेत्र में

सूचना स्थायी कृषि के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि चौपाल तथा ई–चौपाल का निर्माण कृषि से सम्बन्धित सूचनाओं के वितरण के लिए सरकार के द्वारा किया जाता है, जैसे एग्रीस।

व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में

व्यापार और उद्योगों ने प्रबन्धन सूचना प्रणाली का प्रयोग बाजार की सूचनाओ के प्रसरकरण एवं उसे उपलब्ध कराने के लिए सर्वप्रथम किया। ये व्यापार और शुल्क आदि पर बाजार के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण होती है। उद्योगों के लिए मुख्यतः तीन प्रकार की सूचनाओं की आवश्यकता होती है–

1. कच्चे स्रोतों के बारे में सूचना
2. उत्पादन से सम्बन्धित सूचना
3. विपणन से सम्बन्धित सूचना

Scanned with CamScanner

12.8 दैनिक जीवन में सूचना के प्रयोग (Use of Information in daily Life)

अपने दैनिक जीवन में एक सामान्य व्यक्ति भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन तथा सामाजिक सुरक्षा की जानकारी पर निर्भर होता है। उपर्युक्त आवश्यकताओं ने ई–जानकारी तथा टेलीकाम मीडिया जैसे क्षेत्रों को उभरने के लिए मजबूत बल दिया है। इस प्रकार सूचना ने समाज को पूर्णतः प्रभावित किया है।

12.9 सारांश (Summary)

इस पाठ में हमने सर्वप्रथम सूचना समाज के विकास के विभिन्न कारणों को स्पष्ट किया। हमने सर्वप्रथम सूचना समाज की उत्पत्ति एवं परिभाषाओं पर विस्तष्त विवरण प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सूचना समाज की विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुये विभिन्न क्षेत्रों में इसकी आवश्यकताओं के सन्दर्भ में सूचना समाज की वृद्धि को समझा। सूचना समाज के विभिन्न घटकों पर प्रकाश डाला। समाज में सूचना के महत्व को स्पष्ट करते हुए सूचना के प्रयोग पर चर्चा की एवं अन्त में दैनिक जीवन में सूचना के प्रयोगों को स्पष्ट किया।

Scanned with CamScanner